Amaan
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2396
हल्ला बोल
HEMANT
'07
GOVIND RAM

परिकल्पना	लेखक	चित्रांकन	इंकिंग	कैलीग्राफी	इफेक्ट्स	सह सम्पादक	सम्पादक
विवेक मोहन	संजय गुप्ता, तरुण कुमार वाही, विवेक मोहन	स्टूडियो इमेज	जगदीश	हरीश शर्मा	प्रवीन सिंह	मंदार गंगेले	मनीष गुप्ता

संसार को स्वर्ग बनाने के लिए नकरनाशक नागराज का सफर हमेशा जारी रहता है!
नागराज! आपके लिए केला और दूध!
Thank you.
ओह! मुम्बई से मेरे जासूस सर्प मुझसे मानसिक सम्पर्क स्थापित करने की चेष्टा कर रहे हैं।
जरूर कुछ गड़बड़ है।
फिर किया मेरे दिल पर वार, इनकी करतूतों के कितने सबूत देगा हिन्दुस्तान।
नहीं मानेंगे ये घुसपैठिए आतंकवादी!
अब इन्हें इन्हीं की भाषा में जवाब देना होगा।

Amaan
चल सर्पट! ले चल मुझे मुम्बई तट पर!
हिस्स
अरे! वो देखो?
ये तो नरक नाशक नागराज है!!
उसके चेहरे का आक्रोश देखो।
लगता है अपराधियों के दिन पूरे हो गए।
मुझे एक-एक घटना की खबर दो।
हाल बुरा है नागराज।
"हमला होटल ताज"
3

Amaan
"...ओबेरॉय ट्राइडेंट..."
"...और रेलवे स्टेशन जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर हुआ है।"
5
"...नरीमन हाउस..."
"26/11 की इस सनसनीखेज आतंकवादी घटना में 200 लोग मारे गए हैं।"
"...और 500 से ज्यादा घायल हुए हैं!"
"पहली बार लोगों का एक नए किस्म के आतंकवाद से सामना हुआ है।"
तक्षिका, अग्निका और शीतिका भी आ गईं।
मौत ने तांडव मचाया है।
नागराज! पूरी मुम्बई खून के आंसू रो रही है!
मैं तो लोगों का विलाप देखकर दहक रही हूं!
आतंकवादियों का सम्बंध घुसपैठिस्तान से है।
घुसपैठिस्तान इस आतंकी घटना में अपना हाथ होने से इनकार कर रहा है।
"नागराज! मछुआरों की बातचीत से मुझे पता लगा है कि..."
15 आतंकवादियों ने समुद्र तटों से मुम्बई में घुसपैठ की थी, लेकिन मारे गए सिर्फ नौ और एक जिंदा पकड़ा गया। बाकी पांच अपना काम खत्म करके सीमा पार हो चुके हैं।

नागराज! जो पकड़ा गया है उसका नाम है कसबल! उसे स्पेशल सेल में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है!
ओह! कुत्ते!
डोगा को मेरे मुम्बई आगमन की खबर मिल जाएगी।
ओह! नागराज मुम्बई में है!
ये सब जानकारियां लाने का शुक्रिया। अब वापस मेरे शरीर में समा जाओ।
वो पांचों सीमा पार करके कहां गए हैं...
...ये मुझे सिर्फ...
...जेल में कैद आतंकवादी कसबल बता सकता है!!!
न...न...न... नाग...!

न...न...न... नाग नहीं, नागराज बोल।

मैंने अपना एक सूक्ष्म सांप तेरे शरीर में पहुंचा दिया है।

ये देख। वो सांप तेरे खून में पहुंच गया है।

अब अगर दर्द से तड़प-तड़प कर मरना नहीं चाहता तो...

...बता! तेरे वो बाकी पांच साथी सीमा पार करके कहां गए हैं? वरना तेरी गिनती ना मुर्दे में होगी ना जिंदा में।

ध्यान रहे झूठ बोलेगा तो मैं फिर आऊंगा और तब तुझे नहीं छोड़ूंगा। ले पानी पी ले। ताकि डर से घुटी हुई तेरी आवाज बाहर आ सके।

वो पांचों बिनकायदा के प्रमुख लीडर हैं। मुम्बई में 26/11 कांड के मास्टर माइंड वो पांचों ही हैं। हम उनके ही इशारे व निर्देशों पर इस काम को अंजाम दे रहे थे।

हमारे पास हमारे देश की नागरिकता ही नहीं है तो कोई हमें घुसपैठिस्तानी साबित कर ही नहीं सकता। मुल्क की बदनामी का सवाल ही पैदा नहीं होता नागराज।

इस मिशन में हमारे जो आदमी शहीद हो गए। उनके परिवारों को घुसपैठिस्तान से मोटी रकम, खुदा के बंदों की तरह सम्मान और उनके परिवार के किसी सदस्य को ऊंचा ओहदा मिलेगा।

मर चुकी है तुम्हारी आत्मा, बिक चुका है तुम्हारा जमीर। अपने धर्म और देश को बदनाम कर रहे हो तुम।

26/11 तो सिर्फ ट्रेलर था नागराज। हिंदुस्तान में ऐसी कई खूंखार घटनाओं को अंजाम देने की योजनाएं बनाई जा चुकी हैं। ट्रेनिंग कैम्प्स में कमांडो कार्रवाई की ट्रेनिंग दी जा रही है।

हम बचे तो हमें मिलेंगे इनामात। और मरे तो पाएंगे जन्नत!! आह!!
इस देश के लोग अगर तुझे घुसपैठिस्तानी साबित करने के लिए सबूतों की तलाश में लगे ना होते तो तू मेरे सामने यूं जिन्दा ना खड़ा होता।
अब मैं चलता हूं।
मगर मेरे शरीर से सांप तो निकालो।
अब वो तेरे शरीर में ही रहेगा अगर तूने झूठ बोला होगा तो वो तेरा शरीर फाड़कर खुद-ब-खुद बाहर निकल आएगा।
घुसपैठिस्तान के राष्ट्रपति श्री 'मक्कारी' ने कहा गिरफ्तार आतंकवादी कसबल घुसपैठिस्तान का नागरिक नहीं। 26-11 की घटना में घुसपैठिस्तान का हाथ होने से इनकार किया।
चल सर्पट। अब देर ना कर मेरे सब्र का बांध टूट चुका है और अब आतंकियों पर टूटेगा मेरा कहर। आतंकवादियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दूंगा।
हल्ला बोल!
भारत की नम्रता को कमजोरी और भारत की सहनशीलता को बेबसी समझ रहे हैं ये शैतान। बस अब और नहीं।
घुसपैठिस्तान के तटरक्षकों ने ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा था।
अरे वो देखो। सांप और उस पर सवार को।
कौन है जो घुसपैठिस्तान की ही सीमा में घुसपैठ कर रहा है?

उसका पीछा करो।
वो तो इतना तेज गया कि दिखना भी बंद हो गया।
अपनी फौज को मैसेज भेजो कि कोई हरे रंग का नाग जैसा मानव घुसपैठिस्तान में घुस गया है।
ओह! इंटरनेशनल बॉर्डर की इस एयर फील्ड में भारी संख्या में लड़ाकू जेट विमान भरे पड़े हैं। चोरी और सीनाजोरी।
जंग की तैयारी कर चुके हैं ये शैतान।
व्ही ऽऽ
हम किसी से कम नहीं। अगर हिंदुस्तान ने युद्ध की शुरुआत की तो हिंदुस्तान को करारा जवाब देंगे।
उन पांच आतंकवादियों की मांग को लेकर जंग जैसी स्थिति पैदा कर दी है। उन्हें घुसपैठिस्तान कभी भी हिंदुस्तान को नहीं सौंपेगा। क्योंकि उसके ऐसा करने से 26/11 की घटना में घुसपैठिस्तान का हाथ सिद्ध हो जाएगा।
जी तो करता है ये जंग मैं यहीं खत्म कर डालूं।
जासूस सर्पों से मिली जानकारी के आधार पर नागराज बिन कायदा के हैडक्वाटर तक आ पहुंचा था!!!
कमांडर गोलीबाज। बमबाज। छुरीबाज। कलाबाज। और कमांडर जांबाज!!
26/11 में तुम पांचों ने कमाल का काम किया। कमाण्डर तुमसे बहुत खुश है। वो तुम्हें अपने हाथों से भारी इनामात देने बस पहुंचने ही वाले हैं।

कमाण्डर आ गए!
तुम सब मेरा यहीं इंतजार करो।
और मैं यहां तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।
कौन हो तुम?
नरक नाशक नागराज!!!
आह!
तुम्हें यहां पाकर मैं बहुत खुश हूं।
आपकी नजरे इनायत है कमाण्डर!
मेरी नहीं, मौत की नजरे इनायत हैं तुम पर।
ये कमाण्डर नहीं है! कमाण्डर कहां है?
अरे!

बाहर बह रहा है...
मैं नागराज हूं। जिसको डस लूं वो मेरे जहर से पानी भी नहीं मांगता। और मोम की तरह पिघल जाता है।
देखो मेरा नरक नाशक रूप।
नरक नाशक नागराज...
...हल्ला बोल!!!
तुम पांचों को मारा ना गया...
थड़
थम्ब
...तो बॉर्डर पर युद्ध का तनाव युद्ध में बदल जाएगा।
तुम्हारी आतंकवादी हरकतों से अभी 200 मरे हैं।
थम्प
धाड़
...युद्ध हुआ तो 2 लाख मरेंगे।
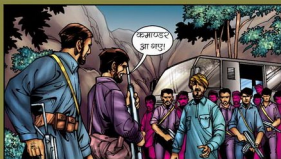
करोड़ों की सम्पति स्वाहा होगी। शहर के शहर तबाह और बर्बाद हो सकते हैं। लेकिन तुम पांचों की मौत के साथ ये तबाही रुक सकती है।
ये सब क्या है?
कमाण्डर तो तुमसे खुश थे। उन्होंने तुम्हें क्यों मारा?
वो हमारा कमाण्डर नहीं है।
क्या? कमाण्डर नहीं हैं तो फिर कौन है?
नरक नाशक नागराज!!!
हिस्स
हिस्स
सांप!
सांय
सांय
सांप!
सांय
सांपों से क्या डराता है? हिंदुस्तान में 200 मारे। तुझे भी काटकर फेंक देंगे। हिम्मत है तो आमना-सामना कर।
नागराज ने अपने सभी सांप वापस बुला लिए।
आमना-सामना?

Amaan
हमेशा पीठ पर वार करने वाले कायरों आमना-सामना करने को कह रहे हो, चलो ये तुम्हारी अंतिम इच्छा है इसलिए इसे मैं जरूर पूरा करूंगा।
इस ट्रेनिंग कैम्प में तुम्हारे अलावा और जितने भी लड़ाके हैं, उन्हें भी अपने पूरे असला बारूद के साथ यहां बुला लो।
अपने गोला बारूद की ऐसी बर्बादी तुम्हें फिर देखने को नहीं मिलेगी।
व्हीऽऽ
मैं वादा करता हूं। जब तक किसी की बंदूक में एक भी गोली होगी, मैं हमला नहीं बोलूंगा।
मगर एक चीज का ध्यान रखना। इस नाग रेखा को पार करने की कोशिश मत करना जो मैंने तुम्हारे इस अड्डे के चारों तरफ खींची है।
जो उस पार गया वो पहले मारा जाएगा।
भून दो नागराज को!

Amaan
जिंग
इतनी गोलियां भर दो कि जिस्म में सांसों की जगह बाकी ना बचे।
जिंग
जिंग जिंग
शायद ये गोलियां ही तुम्हें बचा सकती हैं।
जिंग
जिंग
जिंग
जिंग
जिंग
एक ही हैंडग्रेनेड काफी होगा तेरे चिथड़े उड़ाने के लिए।
शायद ये गोला बारूद तुम्हें बचा सके।
बूम!!!
तू अपनी जान की परवाह कर नागराज।
सांय
सांय
सांय
जिंग
जिंग
जिंग
बूम

पर मेरा पीछा करते-करते तुम इसे पार कर गए। नाग-रेखा के रूप में मेरे विस्फो सर्प बिछे हुए हैं।
लैंड माइंस की तरह बिछे विस्फो सर्पों को मैं तो मानसिक सम्पर्क के जरिए देख सकता हूं मगर दूसरा कोई नहीं।
ओह! तुम्हें कहा था नाग रेखा पार मत करना।
बूम्म
क्या हुआ? रुक क्यों गए?
गोलियां चलाओ। क्योंकि जब तक तुम्हारी गोलियां चलेंगी, तुम्हारी सांसें चलेंगी।
गोलियां खत्म। सांसें खत्म।
गोलियां खत्म नहीं हुईं नागराज! एक गोली अभी बाकी है!
...और मैं इसे खाली नहीं जाने दूंगा।
जिंग...!
हाहाहा। गोली निशाने पर लगी है। सीधे दिल पर। अब नहीं बचेगा नागराज।
वाकई में निशाना दिल पर लगा था!
पर एक बात मैं तुम्हें बताना भूल गया कि मुझ पर गोलियों का असर नहीं होता!
फूऽऽ

उफ! इसने कैसी फुंकार छोड़ी?
हमारा दम घुट रहा है इसमें। आह।
उसने विष फुंकार छोड़ी है। भागो यहां से।
फिर भूल गए। फिर पार कर दी नाग-रेखा। इसे भी अपने देश की सीमा रेखा समझ लिया था क्या?
आगे लैंड माइंस बिछी हैं।
बूम्म
वाऽऽऽम
ध्यान रहे। जब भी कुत्सित इरादों के साथ सीमा रेखा या नागरेखा पार करने की चेष्टा करोगे तो नागराज के हाथों मौत मिलेगी।
जहां भी आतंकवादी देखूंगा मार दूंगा।
कोई भी जमीन अगर कहीं आतंकवाद को पनाह देगी तो उसे तबाही से गुजरना होगा।
ओह! एक बचकर भाग रहा है। कोई बात नहीं। किसी एक का बचना तो जरूरी था।

चीफ! म...मैं बड़ी मुश्किल से बचकर आ पाया हूं। वो जहरीला इंसान बहुत खतरनाक, ताकतवर और काले इल्म का माहिर लगता है। वो सांप छोड़ता है। जहर उगलता है। उसे रोका नहीं गया तो वो हमारे सारे अड्डों को तबाह कर डालेगा।
बेवकूफ, गधे, नामाकूल! तू ये खबर मुझे देने क्यों चला आया?
...कहीं वो तेरे पीछे-पीछे तो नहीं चला आया।
कहीं वो तेरे पीछे खड़ा तेरी बातें तो नहीं सुन रहा।
ख...ख...खड़ा है चीफ। खड़ा है। अब क्या करूं?
अब तू क्या करेगा? अब जो करना है मैं करूंगा।
तुझे इसी काम के लिए तो जिंदा छोड़ा था। तेरा काम खत्म...
...और अब तू भी! मैं चाहता था कि इस अड्डे की तबाही की खबर तू अपने आकाओं को दे दे ताकि वो आतंकवाद छोड़ कर सही रास्ते पर आ जाएं।
जहां भी आतंकवाद सिर उठाएगा इसी तरह तोड़ डालूंगा उसका सिर।
आह!!!
घुसपैठिस्तान की राजधानी कब्राबाद!
हमारे पैंतालिस खूंखार लड़ाकों को घर में घुसकर मारने के बाद वहां से जिंदा बचकर निकल जाने वाला इंसान कोई मामूली इंसान नहीं हो सकता। एय्यार खान।
वो मुम्बई की 26/11 की आतंकवादी घटनाओं का बदला लेने आया है।
जिसका इल्जाम भारत हम पर लगा रहा है।
अब आया है ऊंट पहाड़ के नीचे!!
हिंदुस्तान में जब भी कहीं कोई आतंकवादी घटना होती है तो उंगली सीधे हम पर उठाई जाती है।
वैसे घटनाओं को अंजाम देते हम ही हैं।

हम ये भी जानते हैं। जानते हम ये...भी...हैं एय्यार खान कि हिंदुस्तानी आला कमान ने नागराज को यहां नहीं भेजा है।
लेकिन फिर भी अमां फिर भी अब हम ये साबित करेंगे कि नागराज हिंदुस्तान से यहां आया है।
मियां हिंदुस्तानी गवर्नमेंट पूरे विश्व में ये प्रचार कर रही है कि कसबल घुसपैठिस्तान का नागरिक है।
इस बात पर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनैशनल ने घुसपैठिस्तान को जो खरीखोटी सुनाई है। अब हम उसे उसका जवाब देंगे। (पिच्च)
वो तो सच को सच साबित नहीं कर पाए पर हम झूठ को सच साबित करेंगे।
आप मुझसे क्या चाहते हैं चीफ?
एय्यार खान। तुम ट्रिक फोटोग्राफी, कम्प्यूटर द्वारा मिक्सिंग और मॉर्फिंग के एक्सपर्ट होने के साथ-साथ देश के सबसे काबिल और धुरंधर जासूस भी हो।
हम तुम्हारी कलाकारी देखना चाहते हैं।
मैं आपका मतलब समझ गया चीफ।
मेरी नजरें पूरे घुसपैठिस्तान पर रहती हैं। मैंने नागराज की हरकतों की फिल्म उतार ली है। बस उसमें मसाला मिलाना बाकी है।
शाबाश एय्यार खान हमें तेरी शैतानियों पर नाज है। तू ही है सच्चा घुसपैठिस्तानी।
कब्राबाद के तीन होटलों में हुए जबरदस्त बम-विफोट।
बूम्म
बूम्म
बूम्म
'मटन गली' की गंदी बस्ती में हुई गोलीबारी!
जिंग
जिंग
जिंग
जिंग
जिंग
आह!
खनाक
चिकन मौहल्ले में हुआ बम विस्फोट।
बूम

Amaan
ऐय्यार खान ने अपना काम कर दिया था।
चीफ खुश हुआ। अब तुम देखना इस फुटेज से मैं क्या-क्या करता हूं।
लेकिन चीफ। वो मेरे दो करोड़! वैसे तो ये मामला देश सेवा और देश भक्ति का है। मगर क्या करूं, देशभक्तों के भी तो कम्बख्त पेट जुड़ा रहता है।
बड़े हरामखोर हो। देशद्रोह करके देशभक्त होने का दम भरते हो। तुम्हारे हमलों में ना जाने कितने निर्दोष मारे गए हैं।
मैं तो सिर्फ आपका दम भरता हूं चीफ। आपका गुलाम हूं।
चीफ! मीडिया के लोग आ गए हैं!!!
ठीक है। हम आते हैं।
फिर-
MEET THE PRESS
मेरे पास सबूत हैं... सबूत हैं इस बात के कि नागराज हिंदुस्तानी है और उस 26/11 की घटना का बदला लेने घुसपैठिस्तान में आया है जो हमने की ही नहीं।
नागराज ने 5 इज्जतदार शहरियों को मारा है और सैकड़ों बेगुनाओं का खून बहाया है। वो घुसपैठिस्तान का गुनहगार है। आतंकवादी है।
नागराज का घुसपैठिस्तान में आने का उद्देश्य पूरा हो चुका था। वो वापस हिन्दुस्तान लौट रहा था।
26/11 के जिम्मेदार सभी आतंकवादी खत्म हो चुके हैं, उम्मीद है अब घुसपैठिस्तान को अपनी भूल का अहसास हो चुका होगा।
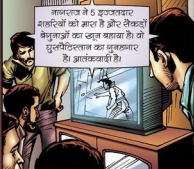
अरे ये तो नागराज है! उसका पीछा करो।
ये उड़ रहा है जनाब। जब हम इसे पानी में न पकड़ सके तो हवा में क्या पकड़ेंगे।

हिन्दुस्तान पहुंचते ही नागराज को चीफ की चालों का पता लगना शुरू हो गया।
घुसपैठिस्तान ने नागराज को आतंकवादी करार दिया!
खिसियानी बिल्ली, खम्बा नोचे।

ओह! ये तो मैं हूं। हैंड ग्रेनेड उछालते हुए
ये हैंडग्रेनेड मैंने कब उछाला?

Amaan
...और एप्पल का बीज वाला हिस्सा फेंकने के एक्शन को हैंडग्रेनेड उछालने का एक्शन बना दिया है।
और मेरे द्वारा फेंके गए हैंडग्रेनेड से किसी बस्ती के निर्दोष लोग भी मर रहे हैं।
26-11 का बदला लेने के लिए केवल शक की बुनियाद पर नागराज ने घुसपैठिस्तान में मचाई आतंकी तबाही!! 300 निर्दोषों का खून घुसपैठिस्तान नागराज को नहीं बख्शेगा।
नागरिक चाहे विश्व के किसी भी कोने का हो, उन निर्दोषों के कातिलों को माफ नहीं करेगा नागराज।
कितने बेरहम हैं ये लोग। मुझे आतंकवादी साबित करने के लिए अपनी ही जमीन पर 300 बेगुनाह लोगों को मार डाला।
पी.एम.हाउस
हमें नागराज चाहिए जनाब
आप हिन्दुस्तानी किसी भी आतंकवादी घटना के बाद घुसपैठिस्तान के खिलाफ जहर उगलते हैं।

...यही आप लोगों की फितरत है। इसलिए नागराज जैसे जहर और सांप उगलने वाले आतंकवादी पाल रखे हैं आपने।
हमें आपसे वो हिंदुस्तानी आतंकवादी चाहिए जिसका नाम है नागराज! उसके सिर पर 300 निर्दोष नागरिकों का कत्ल है जनाब। अगर उसे जल्द नहीं सौंपा गया तो हम चुप नहीं बैठेंगे हमारे पास भी एटम बम है।

तुरंत एक प्रैस-कांफ्रेंस आयोजित की गई, जिसे स्वयं पी.एम. सम्बोधित कर रहे थे-
घुसपैठिस्तान की मांग एकदम बेबुनियाद है।
वो नागराज को मांग रहे हैं। वरना युद्ध की धमकी दे रहे हैं।
हम उन्हें नागराज कैसे दे सकते हैं?

नागराज भारत का नागरिक नहीं है। वो विश्वनागरिक है।
...वो विश्व-रक्षक है। एक रक्षक को आतंकवादी घोषित करके उसे घुसपैठिस्तान को नहीं सौंपा जा सकता।
EXCUSE ME PLEASE, माननीय प्रधानमंत्री जी।

श्रीमान! आप नागराज को उन्हें सौंप दीजिए।
क...क्या मतलब? आप कौन हैं मिस्टर?
और ये क्या कह रहे हो? नागराज को घुसपैठिस्तान को सौंप दें? बिना जांच किए, ट्रिक फोटोग्राफी द्वारा बनाए जा सकने वाले झूठे सबूतों के आधार पर।
विश्व में हमारी छवि एक शांतिप्रिय देश की है। नागराज को कारण बना कर वो भारत की इस गरिमा को धक्का पहुंचाना चाहते हैं।
फिर वो हिंदुस्तानी भी तो नहीं है? उसे घुसपैठिस्तान को कैसे सौंपा जा सकता है?
त...तुम जूता क्यों उतार रहे हो?
आप सच कहते हैं।
सर उन्हें तो जूता मारना चाहिए।
ओह!
श्रीमान! मुझे अकेले में आपसे दो बातें करनी हैं।
इस रिपोर्टर को आदर व पूरे सम्मान सहित मेहमान कक्ष में लाओ।

अंदर-
क्षमा करें सर! बाहर लाइव टेलीकास्ट चल रहा था इसलिए जूते पर बना अपना पहचान चिन्ह दिखा कर ही आपको अपना परिचय देना पड़ा। मैं नागराज हूं।
मैं तुम्हें पहचान गया था।
नागराज! पब्लिक के सामने तुम्हें डांटकर मैंने एक पी.एम. का फर्ज पूरा किया। अब एकांत में एक भारतवासी होने का अरमान पूरा करना चाहता हूं।
कलेजे में ठंडक पड़ गई नागराज तुम्हें गले लगा कर भी और तुम्हारे कारनामे सुनकर भी।
...और मुझे पूरा विश्वास है कि वहां तुमने एक भी निर्दोष की जान नहीं ली होगी।
आपका और पूरे विश्व के लोगों का ये विश्वास ही मुझे अपना कर्तव्य पूरी ईमानदारी के साथ करने की प्रेरणा देता है।
तुम बाहर कह रहे थे कि हम तुम्हें घुसपैठिस्तान को सौंप दें। हम कैसे एक विश्व नागरिक को अपने स्वार्थ के लिए उन दरिंदों को सौंप सकते हैं।
विश्वशांति के लिए सर! क्या हिन्दुस्तान विश्व का हिस्सा नहीं, क्या मैं विश्व नागरिक होने के नाते हिन्दुस्तान का हिस्सा नहीं?

मेरा दिल हिंदुस्तानी है सर।
ये मैं तुम्हें गले लगाते ही जान गया था मेरे बच्चे।
मैं देखकर आया हूं। उन्होंने सीमा पर मोर्चे तैयार कर लिए हैं। मुझे कारण बनाकर वो हिन्दुस्तान पर युद्ध थोपना चाहते हैं
मैं नहीं समझता कि तुम्हें उस नर्क में सौंप देने से युद्ध थम जाएगा।
जब नर्क ही नहीं रहेगा तो जंग अपने आप ही खत्म हो जाएगी। बस आप मेरी जिम्मेदारी मुझे सौंपे जाने तक की ही लेना। बाकी मुझ पर छोड़ देना।
समझ गया पूरी तरह समझ गया। तुम्हें नरक नाशक नागराज क्यों कहा जाता है।
तब-
भारत सरकार नागराज को सौंपने को तैयार! बदले में घुसपैठिस्तान में मौजूद आतंकवादियों की मांग करते हुए उनकी लिस्ट सौंपी।
चीफ लिस्ट पढ़ रहा था।
उन्होंने बीस आतंकवादियों की लिस्ट भेजी है। ये सभी हमारे लिए बहुत खास हैं।
उन्हें कुछ आतंकवादी तो सौंपने ही होंगे। मेरे ख्याल में पांच दे दो। नागराज के बदले में ये सौदा महंगा नहीं होगा। मेरे दिमाग में बिरयानी पक रही है।
सुनिये...

चीफ ने आगे बढ़ाया अपनी चाल का पहला मोहरा।
हैलो! दाद भाई जान। हमारी दाद दो। भारत कुछ आतंकवादियों के बदले में नागराज को हमें सौंपने को तैयार हो गया है।
वाह क्या चाल चली है चीफ! अंडरवर्ल्ड ने नागराज को जिंदा या मुर्दा पेश किए जाने पर जो 50 करोड़ का इनाम रखा है वो तुम्हारा हुआ।
उन्होंने जो लिस्ट हमें भेजी है उसमें एक नाम तुम्हारा भी है...
हाहाहा। मैं पहले ही जानता था हिन्दुस्तान से मेरी मांग आएगी, मैंने पहले ही हिन्दुस्तान में उनकी बर्बादी के पूरे इंतजाम कर दिए हैं। अपना आगे का प्लान बताओ चीफ।
नागराज ने मिडिया को बताया-
मेरे पास भारत की नागरिकता न सही पर मैं विश्व नागरिक होने के नाते शांति बनाए रखने के लिए भारत की ओर से खुद को घुसपैठिस्तान को सौंप रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि इससे दोनों देशों में युद्ध का संकट समाप्त हो जाएगा और शांति बहाल होगी।
मैं शांति के लिए समर्पण कर रहा हूं। अगर किसी ने शांति भंग करके दुनिया को नर्क बनाने की कोशिश की तो याद रखना, हर कैद को तोड़कर उसके सिर पर मौत बनकर टूटेगा ये नरकनाशक नागराज। मुझे मेरी मर्जी के बिना कोई कैद नहीं कर सकता।
एक बार घुसपैठिस्तान में आजा फिर तुझे कैद करके रखेगा कौन? तुझे तो आजाद कर देंगे जिंदगी की कैद से।
और आखिर वो घड़ी आ पहुंची।
नागराज के बदले हम तुम पांचो को भारत को सौंप रहे हैं।

इसे आपको सौंपने की हमारी गारंटी सिर्फ यहीं तक की थी।
हां। ये रहा इस बात का लिखित एग्रीमेंट।
पांचों आतंकवादियों को बेड़ियों में जकड़ दिया गया।
दाद भाई। विश्व के अपराध और आतंक जगत पर बहुत राज कर लिया।
नागराज को भी दबोच लिया गया।
नागराज! तेरा भरोसा नहीं।
हमने तेरे लिए खास कैद सोची है।
तूने चैलेंज किया था कि तेरी मर्जी के बिना कोई तुझे कैद में नहीं रख सकता।

...हम तुझे अपनी मर्जी से कैद करेंगे...
...और तेरी मौत के सामने ले जाकर तुझे आजाद करेंगे।
नागराज! तू मरते दम तक इन सात तालों में से छूट नहीं पाएगा।
अब इसे बम प्रूफ गाड़ी में डाल दो।
जनरल साहब! पैकिंग हो गई हो तो अब चलें?
27

Amaan
अरे! त...तुम... नागराज!
तुम उस कैद से कैसे निकल आए?
मुझे मेरी मर्जी के बिना कोई कैद नहीं कर सकता।
मुझे जहां ले जाना है, इज्जत से ले चलो।
इसकी आंखों पर पट्टी बांध कर ले चलो इसे।
चलो आंखों देखा हाल बताओ।
हा हा हा।
ये समझ रहा है यहां क्रिकेट का मैच चल रहा है।
ये फौजी समझ रहे हैं कि मैं इन्हें *आंखों देखा हाल सुनाने को कह रहा था। हाहाहाहा।
*नागराज की हजारों आंखें हैं उसके सांप।

नागराज को अपने सूक्ष्म सर्पों द्वारा आंखों देखा हाल पता चल रहा था।

नागराजा इस समय हम एक पहाड़ी रास्ते से होकर गुजर रहे हैं।

यहां एक तरफ जलीला बाद का बोर्ड लगा है।

सामने की तरफ एक झरना भी है।

हम किसी कच्चे रास्ते पर उतर रहे हैं।

नीचे गहराई में कोई मिलिट्री कैम्प लगा दिख रहा है।

शुक्रिया दोस्तों।

अबे शुक्रिया किसे कह रहा है?

और दोस्तों किसे कह रहा है?

शायद मौत के डर से पागल हो गया।

ओह! विशेष अदालत आतंकवादी ट्रेनिंग कैम्प में लगाई गई है! वाह! क्या कानून व्यवस्था है? सब नाटक है इन शैतानों का।

अदालत की कार्यवाही आरम्भ हो।

जज साब! इस शैतान के गुनाह तो टी.वी. पर सारा विश्व देख चुका है। उसके गुनाहों को साबित करने के लिए किसी गवाह या सबूत की जरूरत नहीं है।

घुसपैठिस्तान में शैतानों के लिए एक ही सजा है वो है सजा-ए-मौत। इसके गुनाहों के लिए उसे सात बार सजा-ए-मौत दी जाएगी।

इसकी पहली सजा है संग सार।
नागराज को संग सार किया जाए। इसे पत्थरों से तब तक मारा जाए जब तक ये शैतान अपना दम न तोड़ दे। मर जाए तो इसकी लाश को बाकी की सजा दी जाए।

नागराज की सजा का ऐलान होते ही मकबरा चौक पर लोगों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा।
यही है वो आतंकवादी नागराज जिसने घुसपैठिस्तान में घुसकर सैकड़ों निर्दोष लोगों की जानें ली हैं!

हुकुमत-ए घुसपैठिस्तान ने इसके लिए पत्थरों से मार डालने की सजा मुकर्रर की है!
मारो!
मारो!
मारो!
थड़
थड़
थड़

चीफ! भीड़ में घुसे हमारे लोगों ने पत्थरों से नागराज को मारने की शुरुआत कर दी है। लोगों का गुस्सा भी भड़क उठा है। अब नागराज नहीं बचेगा।
ये सब निर्दोष लोग हैं। आम जनता! जिसे बरगलाया गया है!

मैं इन पर हाथ नहीं उठा सकता!

चीफ! नागराज लहूलुहान होकर पत्थरों के ढेर में पूरी तरह से दब चुका है। और अब उस ढेर में कोई हलचल नहीं दिख रही। मुझे लगता है नागराज मारा जा चुका है।
जश्न शुरू किया जाए।
बड़ा कमजोर निकला शैतान। पहली सजा में ही मारा गया
कौन मारा गया?
तुम जिंदा हो!
तुमने शैतान को सजा दी थी।
शैतान होता तो मर जाता। गुनहगार होता तो खुदा मुझे दोजख में भेजता।
मान जाओ। आतंकवाद छोड़ दो।

बकवास बंद कर। अगर तू शैतान नहीं है तो इस खौलते तेल की कड़ाही से भी बचकर दिखा।
शीतिका।
समझ गई नागराज।

मर गया शैतान वो देखो उसके शरीर से उसकी रूहें बाहर निकल आईं।

जश्न का आगाज हो।
अरे यहां काफी ठंड है। कोई बाहर निकालो।
अरे! तेल बर्फ की तरह जम चुका है।
मान जाओ, अब भी मान जाओ। आतंकवाद छोड़ दो।

अगर मैं गुनहगार होता तो इस कड़ाहे में खौलता गर्म तेल मुझे भून देता।
ये शैतान काला इल्म जानता है।

उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, ये खुदाई पुल है। इसे कोई शैतान या गुनहगार पार नहीं कर सकता।

मैं गुनहगार नहीं ये मुझे गुनहगार बनाकर मार डालने की नाकाम साजिश है। ये बात तुम्हें मेरे द्वारा ये खुदाई पुल पार करते ही समझ में आ जाएगी।

अगर मैं ये पुल पार कर गया तो तुम्हें आतंकवाद का रास्ता छोड़ना होगा क्योंकि कुछ स्वार्थी लोग खुदा के नाम पर बरगला कर तुम्हें आतंकवाद की ओर धकेल रहे हैं। ये गुनाह है।
नागराज को तलवार की धारों के बने पुल पर चलते देख जैसे सबकी सांसें रुक गई थीं।
चीफ! वो तो पुल भी पार करने वाला है। अगर ऐसा हो गया तो वो आवाम की नजरों में हीरो बन जाएगा।
वो पुल गिरा दो कम्बख्तों। ये खुदाई पुल नहीं मेरा बनाया शैतानी पुल है।
बूम्म!!!
जो हुक्म चीफ।
शीतिका!
शीतिका बर्फ का ऐसा पुल बनाओ जो किसी को नजर ना आए।
33

नागराज वापस उसी पुल पर आ खड़ा हुआ।
और उसे पार करता चला गया।
देखो! मैंने खुदा के पुल को पार कर लिया।
इसे कोई भी तरीका मार नहीं पाया।
ये तो सचमुच कोई नेक बंदा है।
मुझे तो ये खुदा का ही बंदा लग रहा है।
चीफ! वही हुआ जिसका डर था। हमारा वार हम पर ही उल्टा पड़ गया। अब क्या करें? वो तो हमारी तरफ बढ़ रहा है।
मैं समझ गया। भीड़ को उकसाने वाले तुम लोग अवाम का हिस्सा नहीं हो।
हिस्स
हिस्स
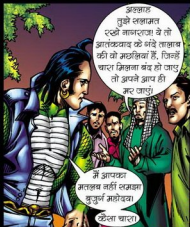
अल्लाह तुझे सलामत रखे नागराज! ये तो आतंकवाद के गंदे तालाब की वो मछलियां हैं, जिन्हें चारा मिलना बंद हो जाए तो अपने आप ही मर जाएं।
मैं आपका मतलब नहीं समझा बुजुर्ग महोदय।
कैसा चारा।
चारे से मेरा मतलब आतंकवादियों को मिलने वाले असला-बारुद से है नागराज।
जो उन्हें जहन्नुम से मिलता है।
खार भाई की हुकूमत चलती है वहां।
जहन्नुम?
जहन्नुम!
हथियारों की मंडी।
जहां मौत का सामान मिलता है।
देसी कट्टे से लेकर A.K. 47 तक।
जनाब गोलियां महंगी बेच रहे हैं आप।
इनकी मांग बढ़ गई है बरखुरदार।
तुम्हारे कारण इंसानी जान सस्ती जो हो गई है कमीनो।
कुछ फरमाया आपने।
अभी तक तो नहीं।
आप क्या खरीदना चाहते हैं?
तुम्हारी मौत। मेरा मतलब मौत बांटने वाले ये हथियार।
इनका भाव कुछ ज्यादा लग रहा है।
जान लेने वाली चीजों में मोल-भाव नहीं किया जाता।
तुम मौत के खेल के नए खिलाड़ी लगते हो।

मौत के खेल का पुराना खिलाड़ी हूं। हर सौदा ठोक बजाकर करता हूं।
तुम्हारे हथियार और गोलियां मुझे नकली लग रहे हैं।
हथियार और गोलियां असली हैं या नकली उसका फैसला तो तेरी जान लेकर ही होगा।
जिंग जिंग जिंग जिंग जिंग जिंग
मिलावट का जमाना है। लगता है खार भाई ने मिलावटी चीजें बेचनी शुरू कर दी हैं। इनसे तो एक मक्खी भी नहीं मरेगी।
ये सही कह रहा है।
गोलियां नकली हैं।
खार भाई हमें धोखा दे रहा है।
आज तक जहन्नुम से कोई भी मौत का सामान लिए बगैर नहीं गया। आज भी नहीं जाएगा।
हम खार भाई का नाम बदनाम नहीं होने देंगे।

नागराज को काटना आसान नहीं है। ऊपर वाले ने ही यह प्रबंध किया है कि मेरे जख्म तुरंत भर जाते हैं।
तेरे टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। काट देंगे तुझे।
हां अपराध की फसल काटने का प्रबंध भी किया है उसने मेरे अंदर। अब काटूंगा मैं तुम्हें।
...तुम्हें छोड़ दिया तो एक-एक दरिंदा पांच-पांच सौ निर्दोष जानें लेगा।
सक
हिस्स
आह
स्पाक
नहीं छोडूंगा। मारूंगा ताबड़तोड़।
इस नरक का करेगा नाश।
नरक नाशक नागराज।
आऽऽऽ
इसके सांप तो बम की तरह फट रहे हैं।
आऽऽऽ
बूम्म

नागराज के जिस्म से निकल आए सर्पट और अग्निका।
सर्पट!
अग्निका!
आतंकवादियों में खलबली मच गई।
आतंकवादी खुद आतंकित हो उठे थे।
सड़े हुए फलों की तरह टप-टप टपक पड़े आतंकवादी।
तक्षिका!
ये शैतान तो मैदान छोड़कर भागने लगे।

तक्षिका के कंटीले शरीर से बरसे कांटे।
अब भाग कर दिखाओ भगोड़ो।
ईssss
आह!
धाड़!
आह!
अब नागराज तुम्हें इस जगह को असली जहन्नुम बनाकर दिखाएगा।
शीतिका।
आssssह!
नहींsss उसे रोको।
अभी से घबरा गए।
अभी तो शरीर पर फफोले पड़ेंगे, तुम्हारे जख्म नासूर बनेंगे, तुम सड़ोगे, तब तुम्हें होगा मौत के दर्द का अहसास।
मार दे हमें नागराज। मार दे।
अब और नहीं सहा जाता।
ये मौत से ज्यादा दर्दनाक है।

मौत देना खार भाई का काम है। इस जोकर का नहीं।
धांय
धांय
धांय
ये जहन्नुम खार भाई की बनाई हुई है। जिसका खुदा भी मैं हूं और जल्लाद भी मैं।
शमशीरा काट कर फेंक दे इस चूजे को।
खच्च
काटने में बहुत मजा आता है शमशीरा को।
खच्च
खच्चाक
ओह! बेहद तेजी से काट रहा है सांपों को।
तुझे भी तेरे सांपों की तरह काट फेंकेगा शमशीरा। इसे शैतानी तलवार कहते हैं नागराज। जो भी इसके सामने आता है कट कर गिर जाता है।
खच्च
खच्चाक
ओह! शैतानी तलवार।
तक्षिका! मुझे शमशीरा की शैतानी तलवार का जवाब चाहिए।
ये लो नागराज।

नागराज ने विद्युत गति से चलाई वो कंटीली तलवार-
तलवार के साए में जीने वाले
तलवार से ही मरते हैं शमशीरा।
देख नागराज अब बनी है ये असली जहन्नुमा इन लाशों पर इस विशेष गन से बारूद छिड़क कर मैंने इन्हें बम बना डाला है।
धड़ाम
मेरे आदमी मरने के बाद भी मौत बांटते हैं अब जहां भी तू कदम रखेगा वहां होगा...
...धमाका।
धड़ाम
धड़ाम
धड़ाम
अब या तो तू मिसाइल से मरेगा।
अगर मिसाइल से बचेगा तो लाशों पर गिरेगा, जो तुझे भी लाश में बदल देंगी।

खार भाई तेरी मिसाइलें और तेरे मुर्दा बम तो मेरा कुछ न बिगाड़ सके, तेरा कोई और अरमान है तो बता।
अब तू खुदकुशी करेगा...
...क्योंकि अब तू एक जिंदा बम बन चुका है। जो किसी भी पल फट सकता है।
बहुत बांट चुका मौत। अब अपनी बनाई मौत से तू खुद मरेगा।
बारुद बनी अपनी केंचुली में तुझे पहना रहा हूं।
मरने से पहले हर उस मरने वाले की बेबसी को महसूस कर जहन्नुम के जल्लाद जो तेरी वजह से मारे गए।
अपनी ही बनाई मौत की मंडी में मौत के धमाकों में गुम हो गया वो शैतान।
बूSSSSम

नागराज जहन्नुम को तबाह कर आम जनता के बीच पहुंचा
अब अमन आएगा।
जो काम हुकूमतें घुसपैठिस्तान न कर सके वो नागराज ने कर दिखाया।
अब घुसपैठिस्तान में बम नहीं फूल बरसेंगे।
चल सर्पट। कुछ शैतानों ने नर्क बना रखा था घुसपैठिस्तान को।
जहां भी नर्क देखूंगा उसका नाश कर डालूंगा।
वो आ गया हरा फरिश्ता।
इसने जहन्नुम को तबाह कर डाला।
हमारा हीरो नागराज।
मेरे भाईजान नागराज।
शुक्रिया।

नर्क अभी बाकी था।
नागराज समुद्री रास्ते से तीस आतंकवादी हिंदुस्तान में घुसपैठ की कोई खतरनाक योजना बना रहे हैं।
साथियों! नागराज ने जहन्नुम को तबाह कर दिया, इसका जवाब हम हिन्दुस्तान में भयंकर तबाही फैला कर देंगे।
उससे पहले तुम सब तबाह हो जाओगे शैतानों!
आह!
ऊंह!
थू है तुझ पर! काले इल्म का इस्तेमाल करके तूने जहन्नुम को तबाह कर डाला। इसे बहादुरी नहीं बाजीगरी कहते हैं। हमें देख हम जंग लड़ने के लिए काले इल्म का नहीं अपनी हिम्मत और ताकत का इस्तेमाल करते हैं। दुश्मन को उसके घर में घुस कर मारते हैं। या फतह पाते हैं या शहादत।
ओह! नागेश उसे छोड़ दो।
नागराज के मर्म पर चोट की थी शेरखान ने।
लगता है हमारे शेरखान की गुर्राहट से डर गया। हमारा शेरखान शेरों को गुलाम बनाने का हुनर रखता है फिर ये चूहा क्या चीज है।
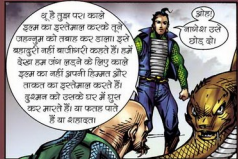
तू समझता है यदि नागराज न हो तो तुम घुसपैठिए हिन्दुस्तान में जो चाहो वो कर लोगे। तूने मुझे नहीं हिन्दुस्तानी खून को ललकारा है।
हिन्दुस्तान का कुत्ता भी शेर होता है शेरखान।
नागराज तुमसे वादा करता है तुम 30 के मुकाबले सिर्फ एक हिन्दुस्तानी उतरेगा मैदान में।

सुना है तू शेरों को गुलाम बनाने का हुनर रखता है। सिर्फ एक हिन्दुस्तानी कुत्ते को गुलाम बना कर दिखा। ये नागराज तेरी जिंदगी भर गुलामी करेगा।
शेरखान शेर पालता है कुत्ते नहीं।
गलतफहमी तो तेरी दूर हो जाएगी जब हम हिन्दुस्तान में घुस जाएंगे।

छुप कर पीठ पर वार करने वाले धोखेबाजों में तुम्हारी घुसपैठ की खबर एक हिन्दुस्तानी को दूंगा।
उसके जिस्म में खून की जगह बारूद बहता है। इतना बारूद कि तुम्हारे पूरे घुसपैठिस्तान में इतना बारूद नहीं होगा।
अच्छा शैतानों! खुदा खैर करे। यह तो नहीं कह सकता कि फिर मिलेंगे।
चलता हूं। चल सर्पट।

देने तो तुम्हें मौत आया था पर अब दुआ करता हूं कि तुम हिन्दुस्तान की सीमा में जिंदा पहुंच जाओ और अपनी गलतफहमी को दूर करो।

देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई!
24 घंटे जागकर पूरे भारतवर्ष के आर्थिक विकास में अपने खून-पसीने से आर्थिक वृद्धि में सहयोग देती है।
मुम्बई का बाप डोगा रातों को जाग कर मुम्बई को पहरा देता है।
उसका साथ देते हैं उसके वफादार साथी।
आर्मर, स्नाइपर, इरेजर, कटाना, टाईटेनियम, स्प्रिंटर, सुपर स्नीफर, डोग्मा, डॉग स्टार, ड्रोगा।
26/11 के रियल हीरो हो तुम।
निर्दोष लोगों को बचाते हुए तुम लोगों ने गोलियां खाईं। अपना शरीर गवां दिया पर जज्बा नहीं।
आर्मर तूने गोलियां चलाते आतंकवादी पर हमला बोल दिया। तेरा शरीर छलनी हो गया लेकिन फिर भी उसकी कलाई तूने चबा डाली।
दरिंदों को देख कर तू भी मेरी तरह जुनूनी हो जाता है।
और तू कटाना, भीड़ पर फेंका हैण्ड ग्रेनेड ही उठा ले भागा जबड़ा गंवा दिया तूने।
डॉगस्टार, तूने भी गजब का दुस्साहस दिखाया तू तो हैण्ड ग्रेनेड और एक बच्चे के बीच कूद पड़ा। धमाके में अपनी आंखें खो दीं तूने लेकिन बच्चे को बचा लिया।
स्प्रिंटर तूने बेदम होने तक आतंकवादियों को दौड़ाया उन्होंने तेरा शरीर गोलियों से बींध दिया लेकिन तू उनकी गोलियां खत्म होने तक उन्हें दौड़ाता रहा।
और ड्रोगा तू आग में ही कूद पड़ा जलती बिल्डिंग से तूने तीन लोगों को बचाया। अपने शरीर का बलिदान दे दिया। लेकिन जुनून ने दिमाग को मरने ना दिया।
तुम सभी तड़प रहे थे लेकिन इंसानी जिंदगी के प्रति तुम्हारी वफादारी तुम्हें मरने नहीं दे रही थी।
मैंने तुम सभी के जुनून को जिंदगी दी। तुम्हें मशीनी अंग दिए। जिससे कि इस दुनिया में वफादारी जिंदा रहे।
आज तुम सभी सुपर डॉग्स हो किसी का जबड़ा मशीनी है, किसी की थूथन, किसी के पंजे तो किसी का पूरा जिस्म।
शेरू का तो केवल दिमाग जिंदा था जो इस बाइक में लगा दिया गया और शेरू बन गया ड्रोगा।

तुम्हारे जिस्मों की शहादत ने डोगा को बनाया है दनादन डोगा। एक और अहसान जुड़ गया एक वफादार कौम का डोगा की जिंदगी से।
मुम्बई की शांति भंग करने वाले थर्रा जाएंगे जब निकलेगी डॉग इलेवन।
तभी डोगा के ट्रांसमीटर पर गूंजने लगे नागराज के स्वर-

यहां शैतान कर रहे थे कहर बरसाने की तैयारी।
जिनका नेतृत्व शेरखान कर रहा था।
इमारत के चारों तरफ कुत्तों का पहरा है।
गर्र्र्र...

तो ये हैं वो हिन्दुस्तानी कुत्ते, जिनको पालतू बनाने का चैलेंज दे रहा था नागराज।
इन कुत्तों की औकात शेरखान के आगे चूहों से ज्यादा नहीं।

अभी ये सब... ...शेरखान के कदमों में लोट लगाएंगे।
फिर चैलेंज के मुताबिक नागराज को करनी होगी मेरी गुलामी।
गर्र्र

कंटीला चाबुक प्रहरियों को छू भी पाता कि एक आंधी सी उन्हें उड़ाती ले गई।
अरे! ये क्या था? कुत्ते कहां गए?
उन कुत्तों ने भी हमें देख लिया है।
आओ हिन्दुस्तानी मेमनों शेरखान का चाबुक तुम्हारी खाल उधेड़ देगा।
जुरुऽऽऽऽऽऽऽम!!!
ओह! फिर वही आंधी!!
फिर हो गए कुत्ते और हवलदार गायब!

शेरखान! नौ और खूंखार कुत्ते हमारी तरफ दौड़े आ रहे हैं।
ये काफी खूंखार हैं।
मैं गोली चला रहा हूं।
वुफ
वुफ
गर्र्र
गोली मत चलाना। अंदर सब एलर्ट हो जाएंगे।
शेरखान है तुम्हारे साथ। घोड़े, शेर, हाथी, गैंडे कैसे भी बिगड़ैल जंगली जानवरों को पालतू बनाया है मैंने अपने इस चाबुक से, फिर ये तो सिर्फ कुत्ते हैं।
इसका पंजा स्टील का है। आह!
मेरी कलाई की हड्डी तोड़ दी इसने।
वुफ
मेरी टांग चबा गया ये। आह!
इसने अपने स्टील के दांतों से गन की नाल ही तोड़ डाली।
गर्र्र
वुफ
मेरी खाल को नहीं चीर पाओगे।
वुफ
गर्र्र
वुफ
गर्र्र
सड़ाक
मेरा चाबुक चीर-फाड़ डालेगा तुम सबको।
बिल्डिंग के दूसरे हिस्से में-
उस ओर से कुत्तों का तेज शोर आ रहा है। हवलदारों से वायरलैस पर कांटेक्ट नहीं हो पा रहा है। देखना चाहिए।

Amaan
इनके लिए रास्ता साफ हो गया था।
MUMBAI POLICE HEADQUARTER
जल्दी चलो। रास्ता साफ है वरना हवलदार और कुत्ते वापस आ धमकेंगे।
इधर डॉग इलेवन पर दूसरा वार नहीं कर पाया था शेरखान कि-
ओह! ये वही आंधी थी।
घर्रर्रर्र
कुत्ते की गुर्राहट का शोर था उस आंधी में।
उस आंधी ने ही मुझ पर प्रहार किया था। वही कुत्तों को भी बचा ले गई थी।
कड़ंच्च!!!
MBB-2101 B
कौन खड़ा है वहां अंधेरे में। ओह! तू ही है जो कायरों की तरह छुप कर वार कर रहा है शेरखान पर। इस इंजन से निकलने वाली गुर्राहट को मैं पहचान चुका हूं।
तो फिर मुझे भी पहचान ले।
कुत्ते का मास्क क्यों लगा रखा है तूने? ओह...

Amaan
...तो तू है वो हिन्दुस्तानी कुत्ता, जिसके बारे में नागराज ने कहा था।
भड़
गुर्रर्र
भड़ भड़
और तू ही है वो घुसपैठिस्तानी शैतान जिसके बारे में नागराज ने मुझे बताया था।
अब देख मैं कैसे तेजी से घूमते इस टायर से तेरे चेहरे की शैतानियत खुरच कर वहां डरे हुए चूहे का चेहरा बनाता हूं।
भड़
भड़
तुझे तो मैं कुत्ते की मौत मारूंगा।
भड़
गुर्रर्र
तेरी औकात है भी नहीं कि तू कुत्ता पाल सके...
...क्योंकि शेरखान शेर पालता है! कुत्ते नहीं...
गुर्रर्रड़ड़
...वो भी हिन्दुस्तानी!
थड़!!!
तू सीमा पार करके इधर आ तो गया शेरखान लेकिन अब डोगा तुझे जिंदगी की सरहद पार कराकर मौत की सीमा में भेज देगा।
उधेड़ दूंगा। तुझे उधेड़ दूंगा डोगा।
सड़ाक

मुम्बई पुलिस मुख्यालय में ही घुस गए थे वो शैतान-

शेरखान के शरीर में जैसे पूरे जंगल के शेरों की ताकत थी।
थड़ड़ड़ कड़ंच्च
धाड़!!!
थड़!!!
कहां है वो नागराज? आकर देखता क्यों नहीं कि मैंने उसके इस हिन्दुस्तानी कुत्ते को पालतू बना ही डाला है...

आ नागराज इस हिन्दुस्तानी कुत्ते की जान बचाने के लिए मेरे पैरों में गिर कर रहम की भीख मांग।

पुलिस मुख्यालय के अंदर एक विशेष कक्ष में-
अण्डर वर्ल्ड डॉन दादा! एण्टी टेररिज्म स्क्वैड के इस हैड क्वार्टर पर तुम्हारे ही साथियों ने तुम्हें छुड़वाने के लिए ये हमला किया है। लेकिन उन्होंने मौत के दरवाजे पर दस्तक दी है।
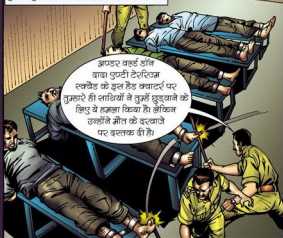
वो यहां से जिंदा बच कर नहीं जा पाएंगे। तुम अपनी खैर चाहते हो तो कुबूल करो कि तुम्हारा संबंध किसी आतंकवादी दल के अलावा घुसपैठिस्तान सरकार की खुफिया एजेन्सीज से भी है।
तुम हमसे कुछ भी कुबुलवा नहीं पाओगे अफसर। और ना ही हमें यहां रोक पाओगे।
एक बार मैं यहां से छूट गया तो पूरी मुम्बई में आतंक का ऐसा मंजर दिखाऊंगा कि तौबा बोल जाओगे।
यह मुम्बई पुलिस मुख्यालय है। यहां तक कोई नहीं पहुंच पाएगा।
तू नहीं जानता ऑफिसर जो यहां आए हैं वो बलाएं हैं। अब मुम्बई होगा तबाह।
शेरखान डोगा के मुंह से तौबा बुलवाने को तैयार था-
डोगा बिगड़ैल जानवर को पालतू बनाने के लिए पीट-पीटकर उसके ताकत का गरूर तोड़ना बहुत जरूरी है।
गरूर टूटते ही शेर भी पिल्ला बन जाता है
53
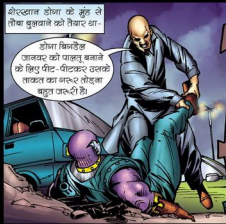
तू घुसपैठिस्तान का शेर है।
लेकिन इस हिन्दुस्तानी कुत्ते के एक ही वार ने तेरा दम निकाल दिया।
म...मान गया। हिन्दुस्तान का कुत्ता घुसपैठिस्तान के शेर से ज्यादा ता...क.त.व.र होता है...
शेरखान के मुंह से निकलने वाले वो अंतिम शब्द थे।
उसी समय अंदर-
दाद भाई! अब फिक्र मत करो। हम आ गए हैं घुसपैठिस्तान से तुम्हें छुड़ाने।
यही तो योजना थी चीफ की कि नागराज के बदले अपने पांच आदमी देंगे फिर अपने आदमी भेज कर तुम पांचों को छुड़ा लेंगे।
अब मुम्बई का वो हाल करूंगा। वो आतंक मचाऊंगा कि इस देश का बच्चा-बच्चा मेरे नाम से कांपेगा। मेरा सामान लाया है लांचर।
हां भाई ये लो।
कमाण्डर पिशाचनी। हमारे सारे आदमियों को एलर्ट कर और तू हैड क्वार्टर पहुंच। मैं वहीं आ रहा हूं।

डॉग इलेवन के कटाना ने अपने लोहे के दांतों से।
कड़क
टाइटेनियम ने अपने स्टील के पंजों से-
स्क्रिंच
डोग्मा ने अपने जुनून से।
गर्र्र
आर्मर, स्नाइपर, इरेजर, स्प्रिंटर, सुपर स्नीफर और डॉग स्टार ने अपनी एकता की ताकत व जौहर से शेष चार आतंकवादियों की हड्डियां व मासं भंभोड़ डाले थे।
डॉग इलेवन अपनी लड़ाई जीत चुकी थी-
लेकिन मुजरिम भी कैद से आजाद हो चुका था-
बूम्म!!!

डॉग इलेवन पर हुआ एक और हमला-
कसम तेजाब की जो तेजाबी के रास्ते में आया उसे गला डालूंगा।
डोगा ने देखी तेजाबी के तेजाब की ताकत-
खनाक!!!
ओह!
कड़च्च
भड़ाक
उसी समय मुम्बई पुलिस मुख्यालय का मेन गेट तोड़ता हुआ वो ट्रक दनदनाता निकलता चला गया-
ओह! इस ट्रक में जरूर आतंकवादी दाद को छुड़वा कर ले गए हैं।
तेजाबी मेरा समय खराब कर रहा है। 14 साल बाद तो दाद हिन्दुस्तान की पकड़ में आया वो फिर फरार हो जाएगा।
1993 के पीड़ितों के जख्म फिर हरे हो जाएंगे। दाद की सजा के लिए तड़पती उनकी आत्माएं तड़पती रह जाएंगी।
डोगा ऐसा नहीं होने देगा।
डोगा की गोली चीर नहीं पाई थी तेजाबी के शरीर पर चढ़े प्लास्टिक के खोल को।
धांय
इस बार दाद को सजा-ए-मौत जरूर मिलेगी।
हाहाहा। एक बार मेरे दुश्मनों ने मुझे तेजाब के ड्रम में गिरा दिया था उसके बाद मैंने अपने शरीर पर ये प्लास्टिक का खोल चढ़ा लिया था जो गोली और एसिड प्रूफ है।

गोली और एसिड प्रूफ है। लेकिन क्या डोगा के गुस्से को झेल पाएगा तेरा ये खोल?
देखा। ये है डोगा की गुस्सा गन।
जो उसके गुस्से और जुनून को प्रलयंकारी ऊर्जा में बदलकर दुश्मनों को खत्म करती है।
आतंकवादियों। आओ डोगा की मुम्बई में। भड़काओ उसका गुस्सा और फिर देखो, उसके गुस्से का कहर कैसे राख बनाता है आतंकवादियों को।
कड़ड़ड
आह! नहीं!
फटक

अगले ही पल दसों आतंकवादी सड़क पर पड़े तड़प रहे थे-
डोगा ने सोलह घुसपैठियों को नरक पहुंचा दिया उन्नीस अभी बाकी हैं।
नागराज की चुनौती का मान जरूर रखेगा डोगा।
डोगा के रहते मुम्बई को नागराज की जरूरत नहीं पड़ेगी।
दाद पहुंच चुका था अपने हैड क्वाटर व्हाइट हाउस में-
पिशाचनी व्हाइट हाउस में आपका स्वागत करती है दादभाई।
तू तो मुझे भाई ना बोला कर पिशाचनी। 16 साल बाद मिली हो फिर भी नकाब में। यह चिलमन हटा हम तेरा चेहरा देखने को तरस गए हैं।
यह चेहरा अब पूरे विश्व के दिलों की धड़कन बन चुका है दाद भाई। इस पर दाग लग जाएगा।
ओह मिशन कॉरपोरेट ब्लास्ट का नाम लेकर तो तूने हमारी सारी दिवानगी काफूर कर दी।
चेहरा भी जल्दी बेनकाब करूंगी पहले मिशन कॉरपोरेट ब्लास्ट तो सफल हो जाए।
सही कहा तूने पहले हिन्दुस्तान को सुला दें फिर जाम टकराएंगे।
आप मुझे अपना प्लान समझाएं।
मैंने दाद कम्पनी के सभी फर्माबर्दारों को एलर्ट कर दिया है। आपके आदेश की राह बड़ी बेसब्री से देखी जा रही है।
पिशाचनी तुम्हें पता है कि दाद कम्पनी के आदमी हमारे फर्माबर्दार क्यों थे?
क्यों वो हमारे आदेश पर किसी की भी जान ले लेते थे और अपनी जान दे देते थे?
वो सभी आपकी इज्जत करते थे दादभाई।
नहीं पिशाचनी।
वो डरते थे। उन्हें इस दुनिया का सबसे बड़ा डर था। मौत का डर। मैंने उन सभी के शरीरों के अंदर बम फिट कर रखे थे।

ओह! तभी वो कभी आपका हुक्म नहीं टालते थे।
गलत!
पिशाचनी वो सभी दिलेर थे अपनी मौत के डर को तो शायद जीत भी लेते लेकिन मैंने उनके करीबी रिश्तेदारों के शरीरों में जो बम फिट किए थे।
उनकी मौत के डर से कभी कोई नहीं जीत पाया। अब यही डर मिशन कॉरपोरेट ब्लास्ट को सफल बनाएगा। ये 2000 लोग पूरी मुम्बई में मौत का खेल खेलेंगे। अपनों को बचाने के लिए अपनों को मार डालेंगे।

लेकिन किसी को मारने के लिए इनके पास हथियार कहां से आएंगे?
हथियार!
दादभाई के लिए हथियार क्या समस्या है पिशाचनी। हथियार तो मेरा धंधा है।
लेकिन इस मिशन के लिए मुझे अपने हथियारों का इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा। हिन्दुस्तान के हथियार ही हिन्दुस्तानियों का खून बहाएंगे।
वो कैसे दाद भाई?

अच्छा सवाल है। यह सवाल ही तो इस मिशन की जान है।
26/11 के हमले के बाद हिन्दुस्तान की नामचीन हस्तियां, कॉरपोरेट वर्ल्ड और बॉलीवुड होम मिनिस्टर से मिले।
इस हमले में हिन्दुस्तान की क्रीमी लेयर निशाना बनी थी। इन लोगों ने सरकार से अपने सिक्युरिटी गार्ड्स को A.K. 47 गनों के लाइसेंस देने की मांग उठाई।
सरकार ने इनके दबाव में आकर इनके लिए यह लाइसेंस खोल दिए।
बड़ी संख्या में इन खतरनाक गनों की खरीदारी की गई।
नए निशानेबाज गार्ड्स की भर्तियां हुईं।
अब हमारे शार्प शूटर्स से अच्छे निशाने बाज कहां मिलते। हमने अपने आदमियों को इन नौकरियों में भर्ती होने के लिए बोला।
आज हर करोड़पति के घर, ऑफिस पर हमारे आदमी A.K. 47 लिए उनकी सुरक्षा के लिए खड़े हैं।
हां पिशाचनी दाद कम्पनी के फर्माबर्दार शार्प शूटर्स आज लाइसेंस धारक सुरक्षाकर्मी बन बैठे हैं। हाहाहा।
आज हमारे निशाने पर है मुम्बई का कॉरपोरेट वर्ल्ड और बॉलीवुड।
हिन्दुस्तान के आर्थिक ढांचे में 40% इनकम टैक्स मुम्बई से जाता है। 60% कस्टम ड्यूटी मुम्बई की इंडस्ट्री भरती है। इंडियन GPD का 50% मुम्बई पैदा करती है। मुम्बई का इंडस्ट्रियल आउट पुट देश का 25% है।
दुनिया के टॉप 10 व्यवसायिक शहरों में से एक है मुम्बई।
दुनिया की हर बड़ी कम्पनी का हैड ऑफिस मुम्बई में है
क्या-क्या गिनवाऊं पिशाचनी ये समझ कि मुम्बई का व्यवसायी वर्ग खत्म तो हिन्दुस्तान खत्म। यही है मिशन कॉरपोरेट ब्लास्ट।

Amaan
और यह होगा कल। कल इन सभी लोगों ने सरकार को धन्यवाद देने के लिए एक समारोह का आयोजन किया है जिसमें कॉरपोरेट वर्ल्ड और बॉलीवुड की ये तमाम हस्तियां पहुंचने वाली हैं।
वहीं हमारे आदमी इन्हें मौत के घाट उतारेंगे। ये काम चुपचाप भी किया जा सकता था। उनकी नींद में भी उन्हें मारा जा सकता था लेकिन बिना धमाके के मजा नहीं आता। एक साथ चली गोलियों से एक साथ निकली चीखों की गूंज दूर तक जाएगी पिशाचनी।
घुसपैठिस्तान में बैठे मेरे आका भी सुनेंगे और अमेरिका के सिंहासन पर बैठे काफिर कांप उठेंगे।
मैं तो कब से हिन्दुस्तान आकर इस काम को अंजाम देने की फिराक में था लेकिन कम्बख्त मौका ही नहीं मिल रहा था लेकिन भला हो उस बेवकूफ नागराज का जिसने हमारा काम आसान कर दिया।
अब तुझे बस इतना करना है कि दाद कम्पनी के फामाबर्दारों को कल शाम के लिए तैयार करना है।
यू आर जीनियस दाद भाई। मैं अभी सभी को आदेश भेजती हूं।
मुम्बई के सीने में ज्वालामुखी उबल रहा था और डोगा क्लूलेस मुम्बई की खाक छान रहा था-
सुपर स्नीफर सूंघो इस ट्रक में दाद भाई की गंध को और मुझे जल्द से जल्द वहां पहुंचाओ।
दाद भाई मुम्बई की सड़कों पर ही था।
पिशाचिनी 16 साल बाद सारी यादें ताजा हुई हैं। कल रात को तो मैं वापस घुसपैठिस्तान के लिए निकल जाऊंगा। आज की रात अपनी मनपसंद जगहों पर तुम्हारे साथ घूमना चाहता हूं।
जरूर दादभाई आज रात मैं आपको पूरी मुम्बई घुमाऊंगी।
शंकर। धंधा कैसा चल रहा है?
दादभाई आप। अरे मैं तो धन्य हो गया दादभाई।
तो दो प्लेट पावभाजी बना।
पावभाजी के बाद-
दादभाई पहुंचे बिल्लू चाय वाले के पास।
दादभाई ये लो आपकी स्पेशल चाय।
अबे बिल्लू! ये सानिया की फिल्म कब रिलीज हो रही है?
दादभाई इसी हफ्ते रिलीज हो रही है। सुना है बहुत धांसू फिल्म है।

Amaan
ये साले बॉलीवुड स्टार फिल्मों में देशभक्ति दिखाते हैं। असली जिंदगी में दब्बू और डरपोक होते हैं। जरूरत पड़ने पर देश को भी बेच खाएं।
क्यों पिशाचनी?
सही कहा दादभाई। किसी का भी धर्म, ईमान नहीं है यहां।
रात से सुबह हो गई।
सुपर स्नीफर तुम मुझे आधी मुम्बई घुमा चुके हो। दस गाड़ियां तुम स्पॉट कर चुके हो। कहीं तुमने गलत गंध तो नहीं पकड़ ली है।
भौं भौं भौं
ओह! तुम्हारा कहना है कि गंध सही है उसने कई कारें बदली हैं। बहुत शातिर है वो।
दादभाई को अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा था-
हां दादभाई। आपके सभी फर्माबर्दार आदेश मानने से इंकार कर रहे हैं।
उनका कहना है कि आज वो सभी एक इज्जतदार जिंदगी बसर कर रहे हैं। वो दोबारा अंडरवर्ल्ड की गंदी नाली में नहीं रेंगना चाहते।
पिशाचनी! तूने उन्हें मौत की धमकी दी?
अभी नहीं दादभाई।
तो उन्हें बोल कि अगर एक घंटे तक वो राजी ना हुए तो हर दस मिनट में एक-एक करके मारे जाएंगे।
ठीक है दादभाई अभी बोलती हूं।
एक घंटे बाद-
दादभाई अपनी जान की कीमत पर भी कोई तैयार नहीं है।
उनका कहना है कि आपके आदेश पर जो जुर्म किए वो उनकी मजबूरी थी। पेट की खातिर नमक का फर्ज अदा किया। लेकिन अब आप एक आतंकवादी हैं। अब आपका आदेश मानना देशद्रोह होगा।
ओह! देशभक्ति का कीड़ा काट गया है। पिशाचनी कहीं तुझे भी तो यह कीड़ा नहीं काट गया।
कैसी बातें करते हैं दादभाई मैं आपकी गुलाम हूं। आपके अहसानों को कैसे भूल सकती हूं? आप कहें तो परमाणु बम फोड़ दूं हिन्दुस्तान पर। आप जहां मेरी देशभक्ति वहां।
61

Amaan

शाबाश। बिल्कुल ठीक कहा तूने हिन्दुस्तान ने नमक तो दिया लेकिन मिठाई मिली घुसपैठिस्तान से। अब तू उनकी दुखती रग पर हाथ रख।
समझ गई दादभाई। अब मुझे उन्हें उनके परिवार वालों की जान की धमकी देनी है।

कुछ ही देर बाद-
दादभाई मुबारक हो। सभी आपके काम को अंजाम देने को तैयार हो गए हैं।
आपका काम सही वक्त पर हो जाएगा।
ठीक है पिशाचनी मैं चलता हूं समारोह स्थल पर। मुझे मौत का मंजर अपनी आंखों से देखना है। तुम मुझ से कनेक्टिड रहना।

दादभाई अपने साथियों के साथ निकल पड़ा।

समारोह स्थल। जहां पहुंच रहे थे मुम्बई के विशिष्ठ व्यक्ति।
अपने रक्षकों के साथ।
धन्यवाद
समारोह

होटल को शमशान बनने का नजारा देखने के लिए दादभाई भी कुछ दूरी पर खड़ा था-
दादभाई एक प्रॉब्लम हो गई हैं
अब क्या प्रॉब्लम हो गई पिशाचनी?

दादभाई हमारे आदमियों के परिवार वालों ने लोचा कर दिया। ना जाने उन्हें कैसे हमारे मिशन की खबर लग गई। वे सभी वानखेड़े स्टेडियम में इकट्ठे हो गए हैं।
और वे हमारे आदमियों के मोबाइल पर फोन करके उन्हें लानतें दे रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें देश पर मर जाने दो और अपनी जान भी दे दो लेकिन मातृभूमि को धोखा मत दो।
मैं उन्हें मारना शुरू करता हूं,इन्हें तभी अकल आएगी।
अरे! रुकिए दादभाई हमारे आदमियों ने उनकी बात मानने से इंकार कर दिया है। हमारा मिशन जरूर सक्सेस होगा। आप इत्मिनान रखें।
अब मुझे कोई बुरी खबर मत देना। वरना मैं इन सभी को खत्म कर दूंगा। इतना आतंक भी कम नहीं होगा पिशाचनी।
इससे बुरी खबर पिशाचनी नहीं दे सकती थी-
दाद कहां है?
डोगा।
डोगा के कहर से भली-भांति वाकिफ थी पिशाचनी।
डोगा दाद होटेल ताज के पास कहीं है। आज फिर होटेल ताज में होने वाला है नरसंहार ठीक एक घंटे बाद।
एक घंटे बाद होटेल ताज में-
आप सभी सिक्योरिटी गार्ड्स अंदर क्यों आ गए?
हमें आप सभी को मारने का हुक्म मिला है।

बैंक्वेट हॉल में दहशत छा गई।
अगले ही पल हॉल में गूंज उठे गोलियों के धमाके-
जिंग
जिंग
जिंग
जिंग
कुछ देर बाद ही होटेल से बाहर निकाली जा रही थीं असंख्य लाशें।
यह लोमहर्षक दृश्य देखकर खुशी से फूला ना समा रहा था दादभाई-
वाह! मेरे शेरों ने किला फतह कर लिया।
पिशाचनी। मिशन कॉरपोरेट ब्लास्ट सफल हो गया है। मैं वानखेड़े जा रहा हूं तू भी वहां पहुंच। अभी मुझे इनकी नाफरमानी का बदला भी लेना है।
मैं पहुंचती हूं दादभाई।
वानखेड़े स्टेडियम दादभाई के शार्प शूटर्स के परिवार वालों से भरा हुआ था।
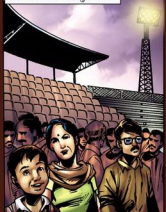
दनादन गोलियां चलाते हुए दादभाई ने वहां प्रवेश किया-
धांएं धांएं धांएं
दूर-दूर हो जाओ सभी।
क्यों अम्मां! ऊंचा सुनती है क्या? मैंने कहा दूर-दूर हो जाओ।
दाद मुझे तो सही सुनता है पर तुझे सही दिखाई नहीं देता शायद पहचाना नहीं मुझे? हसन की मां हूं मैं।
तूने मेरा ऑपरेशन कराया था। मैंने तब तुझे बहुत दुआएं दी थीं। नहीं जानती थी तब कि तूने ऑपरेशन के बहाने मेरे जिस्म में बम लगा दिया था।
मैंने कितना समझाया हसन को कि बुरे काम छोड़ दे लेकिन वो नहीं सुधरा। मैंने उसे बद्दुआएं दीं। घर से निकाल दिया। क्या जानती थी मैं कि वो मेरी जिंदगी की खातिर ही अपराधी बना रहा।
लेकिन अब तेरा नकाब नुच चुका है। हम सभी ने अपने बेटों, भाईयों, पति और पिताओं के लिए अपना बलिदान देने की ठान ली है।
आज के बाद मुम्बई का कोई नौजवान अपराधी नहीं रहेगा।
अम्मां बहुत भोली है तू। दाद का काम तो हो चुका है। रही मुम्बई के अपराधियों और तुम्हारे बलिदान की बात तो तुम्हारी अंतिम इच्छा मैं जरूर पूरी करूंगा। अब तुम सभी की बारी है। सभी को एक साथ ही उड़ा दूंगा।
दाद!
शेर की दहाड़ गूंजी थी वहां

"जब मैं ताज होटेल पहुंचा ये सभी मेहमानों को घेरे खड़े थे।"

हमें दादभाई ने आप सभी को मारने का आदेश दिया है। लेकिन हम आपके सुरक्षा गार्ड हैं। हम यह गुनाह नहीं कर सकते। हम अपनी जानें देने को तैयार हैं। लेकिन दादभाई हमारे परिवारवालों को जान से मार देगा।

हम एक दूसरे पर गोलियां चलाकर खुद को मार डालेंगे। आप लोग हमारी लाशें कपड़ों में ढक कर बाहर भिजवा दीजिएगा। उसे लगेगा कि हमने उसका काम कर दिया तो शायद वो हमारे घर-परिवार वालों को छोड़ दे।

"ये सभी अपनी शहादत देने को तैयार थे और वहां सभी अचंभित थे।"

"तभी मैं इन देशभक्तों के बीच कूद पड़ा।"

नहीं कोई अपनी जान नहीं देगा। कोई मरेगा तो वो दाद मरेगा।

सभी मेहमान अपने शरीर पर टॉमेटो केचप डाल लें। सभी को शव की तरह होटल से बाहर निकाला जाएगा। आप सभी गार्ड्स प्लान के अनुसार विजेताओं की तरह गोलियां चलाते हुए बाहर निकल जाएंगे।

उसके बाद आपके परिवार वालों को बचाने का उपाय हम सब मिलकर करेंगे।

फिर वही किया गया दाद। जिन शवों को तू अपनी जीत समझ रहा था वो तेरी सबसे बड़ी हार थी।

दाद कभी नहीं हारता डोगा। अभी भी दाद के एक इशारे पर यहां मौजूद 7000 हिंदुस्तानी मारे जाएंगे। आतंकवाद का सबसे बड़ा नर संहार होगा अब यहां।

हम सभी मरने के लिए तैयार हैं दाद। आखिर हिंदुस्तान के मुजरिम हैं। सजा के हकदार हैं। लेकिन आज हम तुझे अपने साथ लेकर मरेंगे।

आ पिशाचनी।

देख कितने दिलेर हो गए ये धारावी के कीड़े। मैंने इन्हें दौलत दी, इज्जत दी। आज ये गद्दार मेरी ही जान लेना चाहते हैं!

अब तू भी देखना इनकी मौत का अंजाम। अब यहां होंगे सात हजार धमाके।

दादभाई ने मौत का बटन दबा दिया।

क्योंकि पिशाचनी ने तेरे कंट्रोल रूम में तेरे इस कम्प्यूटर प्रोग्राम को करप्ट कर दिया है दाद। यहां आते ही इसने मुझे अंगूठा उठा कर संकेत दे दिया था।

तेरे नरक की सबसे बड़ी गद्दार और हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी देशभक्त पिशाचनी ही है दाद। इसी ने मुझे तेरा सारा प्लान बताया था।

डोगा मैंने सभी सिक्युरिटी गार्ड्स के परिवार वालों को वानखेड़े स्टेडियम में एकत्रित कर लिया है। लेकिन इन सभी की जान बचाने का तरीका मुझे समझ नहीं आ रहा है। मैंने दाद को रोकने की बहुत कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाई हूं।

Amaan
दादाभाई! हबू जंगल! आजाद कर दो इनकी मौत को!
हबू जंगल हमारा आखिरी हथियार था। अब नहीं बच पाएगी मुम्बई।
हबू जंगल आजाद हो गया।
इंसानी रक्त इसमें शैतानी शक्ति भर देता है।
अब इसके कहर से मुर्दों का जंगल बन जाएगी मुम्बई।
आह!
यह क्या बला है?
सिक्युरिटी गार्ड का शरीर लकवाग्रस्त होकर गिरा-
हबू जंगल द्विगुणित हो गया-
कुछ ही देर में वानखेड़े के मैदान में लगा था लकवाग्रस्त लोगों का ढेर और हबू जंगल मौत का दानव बन चुका था-
ओह! यह तो नियंत्रण से बाहर हो गया है। इसे यहीं नहीं रोका गया तो यह समस्या मुम्बई को तबाह कर देगी।

डोगा ने निकाल ली गुस्सा गन-
गुस्सा गन से बरसी डोगा के गुस्से की गरमी।
खूंख्वार होकर डोगा पर टूट पड़ा हबू जंगल।
डोगा भी गिर पड़ा लकवाग्रस्त होकर।
डॉग इलेवन जमीन पर बिखर गई थी।
मेरे अंग शिथिल हो गए हैं। मैं खुद को हिला नहीं पा रहा हूं।
किसी तरह गुस्सा गन तक पहुंच जाऊं।
डोगा की नजरें मिलीं पिशाचनी से-
पिशाचनी की मास्क में छिपी आंखों ने पहचान ली डोगा के अंतर्मन की कसक-

आतंकवादियों को मिल गया था मौका।
अब स्टेडियम में मौजूद लोगों पर पड़नी थी दोहरी मार।
उसी समय एक आंधी सी कौंधी-
इन शैतानों ने शैतानी ताकत का इस्तेमाल करके मुझे इस जंग में कूदने पर मजबूर कर दिया।
पिशाचनी ने की फायरिंग।
जिंग जिंग
दादभाई को अहसास हो गया कि उसका एक दुश्मन उसकी वैन के नीचे छुपा है।
उसके अगले फायर ने गुस्सा गन को डोगा के हाथों के पास पहुंचा दिया।
गद्दार अब तू मेरे हाथों मरेगी।

नागराज के सर्प सैनिकों ने हबू जंगल में अपना विष पहुंचा दिया-
हबू जंगल का तो वो कुछ ना बिगाड़ पाए उल्टा लोगों की जान मुसीबत में पड़ गई-
ओह! यह खतरनाक प्राणी मेरे सर्प सैनिकों के विष से जहरीले भी हो गए। अब इनके दंश लोगों की जान भी ले सकते हैं।
अग्निका!
असहाय पड़ा डोगा देख रहा था आतंकवादियों को स्टेडियम से बाहर भागते बेगुनाहों पर गोलियां बरसाते हुए-
उसका जुनून अपने चरम पर पहुंच रहा था।
उसकी उंगलियां गन पर जम गईं।
शरीर अपंग था लेकिन ज्वालामुखी से तपते दिमाग ने हाथों को हरकत दी।

पिशाचनी बनी थी दाद के गुस्से का शिकार-
बता कमजर्फ! तूने मेरे साथ गद्दारी क्यों की? मैंने तुझे फर्श से अर्श पर पहुंचाया। दुनिया भर के ऐशोआराम दिए। तू क्यों बेवफा हो गई?
हां तूने मुझे फर्श से अर्श तक पहुंचाया।
आज बॉलीवुड की सबसे मशहूर और सफल अभिनेत्री सानिया हूं मैं। हां तुझसे गद्दारी की मैंने क्योंकि तूने देश से गद्दारी की।
तूने बॉलीवुड को डरपोक और देशद्रोही कहा।
बॉलीवुड के हर कलाकार का ईमान और धर्म उनका व्यवसाय और उनकी मातृभूमि है दाद। हम अपना काम भी इमानदारी से करते हैं और देश के प्रति अपना धर्म अपनी जान पर खेल कर निभा सकते हैं। एक्टिंग हमारा कर्म है और देशप्रेम हमारा धर्म है।
एक्टिंग ऐसे ही नहीं हो जाती दाद, दिल की गहराई में जज्बा ना हो तो अदाकारी से मुअस्सर नहीं हो सकता।
नागराज और अग्निका ने हबू जंगल में मचा दिया था मौत का तांडव-
डोगा ने गुस्सा गन दाग दी।
एक-एक करके सभी आतंकवादी नीचे टपक पड़े।

वेन में आग लग गई है पिशाचनी। अब तेरी लाश इसी वेन की आग में खाक होगी।
नहीं दाद सिर्फ मेरी नहीं....

...तेरी भी। अब पिशाचनी तुझसे चिपट गई है। तेरी मौत तक तेरा पीछा नहीं छोड़ेगी।
छोड़! छोड़ मुझे।

नागराज ने हबू जंगल को स्वाह कर दिया-
जाओ सर्प सैनिकों सभी के जिस्मों से जहर चूस लो।

उठो डोगा। तुमने मेरी चुनौती की लाज रख ली सभी तीस घुसपैठियों को मार गिराया।
तुम सचमुच मुम्बई और हिन्दुस्तान की शान हो। नागराज को तुम्हारे जुनून और ताकत पर नाज है।

कुछ पलों बाद दोनों पहुंचें जलती हुई वेन के पास-
शीतिका वेन की आग बुझा रही थी।

दाद मर चुका है। सानिया ने इसे बाहर नहीं निकलने दिया। शहीद हो गई वह।
हिन्दुस्तान को अपनी ऐसी ही जांबाज बेटियों पर नाज है।

ऑपरेशन मुम्बई विनाश असफल हो गया था। वानखेड़े स्टेडियम में एक बार फिर जीत हुई थी हिन्दुस्तान की।
उधर घुसपैठिस्तान में-
एय्यार खाना। मेरी तो समझ में नहीं आ रहा कि नागराज ने हमारे आदमियों को सरहद पार करने ही क्यों दी।
अब भी नहीं समझे चीफ।
नागराज जानता था कि मुम्बई में डोगा है।
नागराज हमें दिखाना चाहता था कि अगर हमने उसकी गैर मौजूदगी में भी अपने आदमी आंतकवाद फैलाने के लिए मुम्बई भेजे तो उन्हें डोगा फाड़ डालेगा।
नागराज और डोगा जैसे धुरंधर घुसपैठिस्तान की जमीन पर पैदा क्यों नहीं हुए? अब हम क्या करें?
अपनी जमीन को हमीं लोगों ने तो नापाक कर डाला है। नापाक जमीन पर कैसे पैदा होंगे ऐसे नरकनाशक और रात के रक्षक।
अब तो अपने सभी ट्रेनिंग कैम्प बंद कर दो चीफ। आतंकवादियों पर हुई जीत के लिए हिन्दुस्तान को बधाई का ई-मेल भेजो। और मैत्री संदेश के साथ बॉर्डर पर सफेद झंडा फहराओ।
नागराज इतना खून बहा गया है कि सारे सफेद कपड़े खून साफ करते-करते लाल हो गए हैं। लानत है।
इधर मुम्बई में-
वाह! डोगा ने मारे दनादन
नागराज ने मारे ताबड़तोड़।
ये दोनों हैं बेजोड़।
इन दोनों के रहते अब कोई नहीं सकता हमारे देश को तोड़।
समाप्त

प्यारे दोस्तों, जनून

हर तरफ यही सवाल है कि क्या इतना काफ़ी है कि पड़ोसी देश हमारे देश में आतंकवाद की आग लगाते रहें और हम अपना बचाव करते रहें। क्या हमें भी उनके गुप्त हमलों का जवाब सीमा पर नहीं देना चाहिए। हमारी सरकार इस मसले पर जैसे चाहे प्रतिक्रिया करे किन्तु नरक नाशक नागराज को यह नरमदिली मंजूर नहीं, निर्दोषों का लहू बहता देख उसका खून उबाले मारने लगा। 26/11 की आतंकवादी क्रूरता का बदला लेने के लिए नागराज जा पहुंचा पड़ोसी देश धुसपैठिस्तान में। नागराज धुसपैठिस्तान के आतंकवादी कैम्प्स को नष्ट कर आया। लेकिन कुटिल धुसपैठिस्तान ने इसे धुसपैठिस्तान पर आतंकवादी हमला बता कर नागराज को ही आतंकवादी घोषित कर दिया और हिन्दुस्तान से नागराज को सौंपने की मांग कर डाली। नागराज ने खुद को धुसपैठिस्तान को सौंप दिया लेकिन बदले में धुसपैठिस्तान की जेलों में बंद पांच आतंकवादी हिन्दुस्तान के हवाले करवा दिए। धुसपैठिस्तान पहुंच कर नागराज ने धुसपैठिस्तान के कुटिल आकाओं के उसे मौत देने के इरादों को धूल में मिला दिया। नागराज नहीं बख्शेगा। जब भी पड़ोसी दुश्मन बनेगा, नागराज उसकी खाल में भुस भर देगा। जल्दी ही नागराज एक और पड़ोसी देश चिया चिन की टेढ़ी होती नजरों को नोंचने जा रहा है। आशा है नागराज और डोगा के प्रशंसकों को उनके यह नए अवतार पसंद आए होंगे। अब नरक नाशक नागराज और दनादन डोगा के परिवार में शामिल होने वाला है क्रोध केतु कोबी। इन तीनों के कारनामें आप अगामी विशेषांक अभिशप्त में पढ़ेंगे। अभिशप्त के पश्चात् नरकनाशक नागराज आपको दिखेगा आदमखोर, मृत्युजीवी और फोर्स एनाकोण्डा में। दनादन डोगा दिखेगा चेहरा, पहेली दनादन और गोली दनादन में! दोस्तों हल्ला बोल सैट में कुछ परिवर्तन करने पड़े हैं। लेवल जीरो चित्रकार सुशांत पंडा के बड़े भाई बंसत पंडा के विवाह के कारण एक सैट आगे बढ़ानी पड़ी है। इसकी जगह आपको इस सैट में डोगा की कॉमिक्स गोल्डन रेसर उपलब्ध कराई जा रही है। बंसत पंडा को सुखी वैवाहिक जीवन के लिए राज कॉमिक्स परिवार की शुभकामनाऐं। प्यारे दोस्तों वर्ष 2010 राज कॉमिक्स का पच्चीसवां सिल्वर जुबली वर्ष है। जिसे राज कॉमिक्स राज रजत वर्ष के रुप में आयोजित कर रही है। इस पूरे वर्ष में आपको बेहतरीन कॉमिक्स प्रदान किए जांएगे। जिसके बारे में विस्तार से मैं आपको आगामी ग्रीन पेज में अवगत कराऊंगा।

अब एक बेहद दुखद सूचना आपको देना चाहूंगा। मनोज कॉमिक्स के जन्म दाता श्री गौरीशंकर गुप्ता जी का देहान्त दिनांक 18-11-09 को हुआ। हवलदार बहादुर, क्रुकबांड, राम रहीम जैसे सदाबहार किरदारों के द्वारा कॉमिक्स जगत का भरपूर मनोरंजन करने वाला शो मास्टर इस दुनिया से विदा हुआ। किसी जमाने में कॉमिक्स की दुनिया को नया रुप देने वाला कलाकार इस वर्ष रुखसत हुआ। मैं श्री गौरी शंकर जी को सिर्फ इसलिए नहीं जानता क्योंकि वो मेरे चाचा थे। मैं उन्हे इसलिए भी जानता हूं क्योंकि वो मेरे गुरु भी थे। एक गजब के रचनाकार श्री गौरी शंकर जी एक जीवंत व्यक्तित्व के हंसमुख इंसान थे। मेरी परमपिता परमेश्वर से यही प्रार्थना है कि वे उस अदभुत रचियता को पुनः हमारे बीच भेजें जिससे इस विश्व में मनोरंजन जगत की क्षति पूर्ति अविलम्ब हो सके।

दोस्तों अभी इतना ही अब मिलूंगा अगामी ग्रीन पेज पर।

जनून!

स्वर्गीय श्री गौरी शंकर गुप्ता जी
संस्थापक मनोज कॉमिक्स

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें: ग्रीन पेज नं. 300, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. FORUM पर अपनी पोस्ट आप WWW.RAJCOMICS.COM पर करें।